

न्यायालय सहायक कलक्टर, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)  
पीठासीन अधिकारी :- विकास पंचोली (R.A.S.)

प्रकरण संख्या: -31/2023 प्रार्थना पत्र

GCMS No.-2023/64

1. मनोहर लाल पिता स्व० हेमराज रावत उम्र 45 साल पेशा काश्त निवासी सापलीया तह० निम्बाहेडा (राज.)
2. मोहन पिता स्व० हेमराज रावत उम्र 38 साल पेशा काश्त निवासी सापलीया तहसील निम्बाहेडा (राज.)
3. दिनेश पिता स्व० हेमराज रावत उम्र 35 साल पेशा काश्त निवासी सापलीया तहसील निम्बाहेडा (राज.)
4. श्रीमती नानीबाई पिता स्व० हेमराज पत्नी सुरेश रावत उम्र 40 साल निवासी खेरमालिया तह० बडीसादडी (राज.)
5. श्रीमती लीलाबाई पिता स्व० हेमराज जी पत्नी दुर्गालाल रावत उम्र 30 साल निवासी खेरमालिया तह० बडीसादडी (राज.)
6. श्रीमती चान्दीबाई बेवा स्व० हेमराज जी रावत उम्र 70 साल निवासी सापलीया तह० निम्बाहेडा (राज.)

प्रार्थीगण

बनाम

1. धीसालाल पिता स्व० नवला जी रावत उम्र 65 साल पेशा काश्त निवासी सापलिया तह० निम्बाहेडा (राज.)
2. रमेश पिता धीसालाल रावत उम्र 35 साल तहसील निवासी सापलिया तह० निम्बाहेडा (राज.)
3. तहसीलदार निम्बाहेडा निम्बाहेडा (राज.)

विपक्षीगण

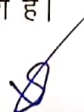
प्रार्थना पत्र. अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम- 1955

उपस्थित :- 1- श्री राजेश वर्मा - अधिवक्ता प्रार्थीगण

:: निर्णय ::

दिनांक :- 27.09.2024

1. प्रकरण में संक्षिप्त विवरण मामला इस प्रकार है कि प्रार्थिया एवं विपक्षीगणों की पैरि एवं संयुक्त कब्जे काश्त की आराजीयात गांव गुडाखेडा तहसील निम्बाहेडा मे प्रार्थीगण 6 के खाते में आराजी नं0 784 रकबा 0.8700 हैक्टेयर लगानी 4 रु 35 पैसा दर्ज चली आ रही है। साक्ष्य में नकल जमाबन्दी पेश है।



2. उक्त आराजी वर्णित कलम नं. 1 प्रार्थीगण/वादीगण के खाते कब्जे होकर प्रार्थीगण/वादीगण ही इसका उपयोग उपभोग करते चले आ रहे हैं तथा काशतकरते चले आ रहे हैं। उक्त आराजी में विपक्षीगण/प्रतिवादीगण नं० 1 व 2 का कोई हक अधिकार नहीं है। फिर भी वे प्रार्थीगण/वादीगण के खाते कब्जे की उक्त आराजी के पूर्वी भाग पर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं प्रार्थीगण/वादीगण ने विपक्षीगण/प्रतिवादीगण नं० 1 व 2 को कई बार समझा दिया पर वे मानने को तैयार नहीं हैं तथा समझाने पर विपक्षीगण/प्रतिवादीगण नं० 1 व 2 प्रार्थीगण/वादीगण से लड़ाई झगडा करने को उतारु हो जाते हैं।

3. दिनांक 12/01/2023 को भी विपक्षीगण/प्रतिवादीगण नं० 1 व 2 ने प्रार्थीगण/वादीगण की आराजी वर्णित कलम नं० 1 के पूर्वी भाग पर कब्जा करने का प्रयास किया तथा मना करने पर प्रार्थीगण/वादीगण से लड़ाई झगडा किया व कहा कि वे इस आराजी पर हर हाल में कब्जा करके रहेंगे। उक्त आराजी वर्णित कलम नं० 1 पर या उसके किसी भाग पर प्रतिवादीगण नं० 1 व 2 ने जबरन प्रार्थीगण/वादीगण को वेदखल कर कब्जा कर लिया तो वादीगण को ऐसी क्षति होगी जिसकी पूर्ती जरे नगद से नहीं हो सकेगी।

4. प्रकरण दर्ज किया जाकर विपक्षीगणों को जरिये सम्मन तलव किया गया। विपक्षी क्रमांक 1,2,3 बावजूद तामील अनुपस्थित रहने से विपक्षी क्रमांक 1,2,3 के विरुद्ध एक तरफा कार्यावाही के आदेश दिये गये।

5. उपर्युक्त राजस्थान काशतकारी अधिनियम-1955 की धारा 212 के आलोक में सर्वप्रथम अस्थाई निषेधाज्ञा के कानूनी विन्दुओं विश्लेषण प्रकरण के तथ्यों के मददेनजर आवश्यक प्रतीत होता है। किसी प्रकरण में अस्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष सिद्ध करने हेतु तीन महत्वपूर्ण व अपरिहार्य विन्दु हैं। हमने विद्वान अधिवक्ता की वहस पर मनन किया एवं पत्रावली का गहनता से अध्ययन किया तथा राजस्थान काशतकारी अधिनियम-1955 की धारा 212 के आलोक में अस्थाई निषेधाज्ञा के तीन महत्वपूर्ण कानूनी विन्दुओं को विश्लेषण किया। तीनों विन्दु प्रार्थीगण के पक्ष में साबित होते हैं। पत्रावली के अवलोकन से वादग्रस्त भूमि में प्रार्थीगण की खातेदारी भूमि हैं तथा कब्जा काशत कर रहे हैं यदि विपक्षीगण प्रार्थीगण के हक हिस्से की आराजियात उसके हक हिस्से से जबरन वेदखल कर देता है तो प्रार्थीगण को अपूर्णिय क्षति होगी इस प्रकार प्रार्थीगण के पक्ष में इसलिए प्रथम दृष्टया मामला एवं अपूर्णिय क्षति एवं सुविधा का संतुलन विन्दु भी प्रार्थीगण के पक्ष में साबित हुए हैं। जिसे न्यायहित में स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः प्रकरण में अस्थाई निषेधाज्ञा को मूल वाद के निस्तारण तक जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य है।

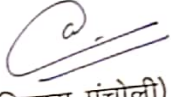
### —:आदेश:—

पत्रावली का अवलोकन किया गया पक्षकारान के लायक अभिभाषकगण की वहस पर गोर किया। प्रथम दृष्टया प्रकरण, सुविधा का संतुलन एवं अपूर्णनीय क्षति प्रार्थीगण के पक्ष में साबित हो रहे हैं अतः प्रार्थीगण अस्थाई निषेधाज्ञा प्राप्त करने का हकदार है प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र साबित होने से स्वीकार किया जाता है। यह प्रार्थना पत्र हक अधिकार का अंतिम निधारण करता है हक अधिकार का प्रश्न वाद शहादत मूल वाद में तय होगा तब तक मूल वाद के निस्तारण तक विपक्षीगण को जरिए अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि

ⓧ

वाके मौजा गुडाखेडा पटवार हल्का गुडाखेडा तहसील निम्वाहेडा की आराजी नम्बर 784 रकबा 0.8700 हैक्टेयर भूमि की मूल वाद के निस्तारण तक मौके की यथास्थिति बनाए रखे। खर्चा फरीकेन अपना-अपना वहन करे।

निर्णय आज दिनांक 27.09.2024 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(विकास पंचोली)  
सहायक कलक्टर  
निम्वाहेडा